रणजीत टाइम्स

इंदौर

बुधवार, 7 जनवरी, 2026

वर्ष 02 | अंक 09 | कुल पृष्ठ : 8 | Digital

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

पानी रे पानी तेरा रंग कैसा...

गंदे पानी ने ली मासूम की जान, ज़मीर पर सवाल

इंदौर। राजेश धाकड़

"कली खिले तो झट आ जाए,"
"पतझड़ का पैग़ाम,"
"पानी रे पानी तेरा रंग कैसा..."

»» दस वर्षों की प्रभु-प्रार्थना के बाद जिस मासूम ने घर की देहरी पर किलकारियाँ बिखेरी थीं, आज वही नन्हा "देव" काल-कवलित हो गया। चंचल मुस्कान, लुभावनी हँसी और कभी भूख से उठता रुदन उसने अभी ठीक से चलना भी नहीं सीखा था। ज़मीन पर कदम रखने से पहले ही ज़िंदगी उससे छिन गई।

वह दुनिया का चलन कैसे समझता,
जब चलना ही नहीं सीखा था?

»» बताया जा रहा है कि गंदे व ज़हरीले पानी के कारण मासूम की जान गई। एक तरफ़ परिवार पर दुखों का पहाड़ टूटा है, तो दूसरी ओर राजनीति करने वालों का ज़मीर जैसे गहरी नींद में सो गया है।

मौतों पर विधवा-विलाप किया जा रहा है,
लेकिन जान की कीमत तय की जा रही है
"करोड़... दो करोड़..."

»» आंदोलन, धरना-प्रदर्शन और बयानबाज़ी के ज़रिये जनता को बरगलाने की कोशिशें जारी हैं। पानी में फैले ज़हर पर मानो नृत्य किया जा रहा हो, जबकि तंत्र में घुले ज़हर को छुपाया जा रहा है। कारण साफ़ है—हर कोई इस तंत्र से "उगाही मंत्र" का प्रयोग करता आ रहा है। आज की सत्ता में पानी से हो रही मौतों का शोर गूंज रहा है, लेकिन कल के अपने (कु)कर्म और पाप भुला दिए गए हैं। सवाल यह नहीं कि बयान किसने दिया, सवाल यह है कि ज़िम्मेदार कौन है? कौन जानता है कि यदि वह मासूम ज़िंदा रहता, तो परिवार, समाज और देश के लिए क्या कुछ बन सकता था... मौतों के ज़िम्मेदार कब और कैसी सज़ा पाएँगे, यह समय तय करेगा, लेकिन इतना तय है कि पानी पीने से जिनकी जान गई,और जो आज राजनीति कर रहे हैं उनका ज़मीर मर चुका है।

"पानी रे पानी तेरा रंग कैसा"
"सौ साल जीने की उम्मीदों जैसा..."

कागजों पर मिशन, हकीकत में 'जहर' उगल रहे नल
शुद्ध पेयजल की कमी से हर साल 4 लाख मौतें

देश में शुद्ध पेयजल न मिलने के कारण हर साल चार लाख लोग डायरिया से मर रहे हैं. जबकि करीब एक करोड़ लोग दिव्यांगता या अन्य संक्रामक बीमारियों के शिकार हो रहे हैं। इसके बावजूद राज्य सरकारों की तंद्रा टूटी नहीं है। सबसे स्वच्छ शहर का खिताब जीत रहे इंदौर में अशुद्ध पेयजल से हुई मौतों ने जरूर थोड़ा झकझोरा है।

लेकिन हकीकत यह है कि पेयजल आपूर्ति अभी तक राज्य सरकारों की प्राथमिकताओं में शामिल नहीं हो पाई है. केवल आंकड़े ही यह बताते हैं। शुद्ध पेयजल की आपूर्ति और सीवर लाइन के लिए स्वीकृत 1.93 लाख करोड़ रुपये की परियोजनाओं में से केवल 44 हजार करोड़ रुपये के कार्य पूरे हो पाए हैं, जबकि अमृत मिशन (अटल नवीनीकरण और शहरी परिवर्तन मिशन) की अवधि इसी साल मार्च में समाप्त हो रही है। सीवर और पेयजल लाइन की खराब योजना और डिज़ाइन, जल संचयन का अपर्याप्त प्रबंधन, शुद्धीकरण के इंतजाम और निगरानी के अभाव ने ऐसी स्थिति पैदा कर दी है कि कोई भी ऐसा शहर नहीं है जहाँ कुछ आबादी तक अशुद्ध जल न पहुंचता हो।

इंदौर शहर के पास के एक गांव रालामंडल में ग्रामीण जल जीवन मिशन के तहत सभी कार्य पूरे दिखाए जा रहे हैं। इंटरनेट पर उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, इस गांव में पेयजल की अंतिम जांच 17 दिसंबर 2025 को हुई थी और सब कुछ दुरुस्त पाया गया। लेकिन शहर में मौत से पहले जो अनदेखी हुई, वह कुछ और ही बयान करती है।

शुद्ध जल के लिए सरकार के प्रयास

शुद्ध जल की समस्या को दूर करने के लिए पहली बार केंद्र सरकार ने दो मिशन शुरू किए हैं। इनमें से एक है अमृत मिशन, जो शहरी क्षेत्रों में शुद्ध पेयजल और सीवरेज प्रणाली को मजबूत बनाने पर केंद्रित है, जबकि दूसरा है जल जीवन मिशन, जो ग्रामीण क्षेत्रों के प्रत्येक घर तक शुद्ध नल जल मुहैया कराने का लक्ष्य रखता है। वैश्विक मानकों के अनुसार, यदि प्रति व्यक्ति वार्षिक जल उपलब्धता 1,700 घन मीटर से कम हो, तो उसे जल संकट माना जाता है। वर्तमान में देश में प्रति व्यक्ति वार्षिक जल उपलब्धता 1,341 घन मीटर रह गई है, जबकि 2021 में यह आंकड़ा 1,487 घन मीटर था। इसका मतलब है कि देश जल संकट के कगार पर पहुंच चुका है। मूलभूत जरूरतों के लिए राज्य सरकारों में सक्रियता की कमी साफ नजर आती है। शुद्ध पेयजल मुहैया कराने से जुड़ी परियोजनाओं पर राज्यों के सुस्त रवैये और केंद्र की कमजोर निगरानी को लेकर हाल ही में संसदीय समिति ने भी सवाल उठाए हैं।

बचाओ: समय की सबसे बड़ी पुकार

संपादक-गोपाल गावंडे

रंजीत टाइम्स

आज का दौर विकास का है, लेकिन यह विकास अगर विनाश की कीमत पर हो रहा है तो उस पर गंभीर मंथन आवश्यक है। "बचाओ" आज केवल एक शब्द नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के अस्तित्व की चेतावनी बन चुका है।

पानी, बिजली, जीवन, आबरू, पेड़, पर्यावरण और धरती-सब आज संरक्षण की मांग कर रहे हैं। पानी बचाओ, क्योंकि पानी ही जीवन है। गिरता भूजल स्तर और सूखती नदियाँ इस बात का संकेत हैं कि हमने प्रकृति की सीमाओं को अनदेखा किया है। जल संरक्षण अब विकल्प नहीं, बल्कि राष्ट्रीय आवश्यकता बन चुका है।

बिजली बचाओ, क्योंकि ऊर्जा संसाधन असीम नहीं हैं। अनावश्यक उपभोग आने वाली पीढ़ियों के अधिकारों का हनन है। ऊर्जा की बचत ही भविष्य की रोशनी है। जीवन बचाओ, क्योंकि आज मानवता सबसे बड़े संकट से गुजर रही है। हिंसा, प्रदूषण और असंवेदनशीलता ने जीवन मूल्यों को कमजोर किया है। हर जीवन- चाहे वह इंसान का हो या पशु-पक्षियों का- संरक्षण का अधिकारी है। आबरू बचाओ, क्योंकि किसी भी सभ्य समाज की पहचान उसकी नैतिकता से होती है। महिलाओं और बच्चों की गरिमा की रक्षा केवल कानून की नहीं, पूरे समाज की जिम्मेदारी है। पेड़ों को बचाओ, क्योंकि पेड़ ही हमारी सांस हैं। अंधाधुंध कटाई ने प्रकृति का संतुलन बिगाड़ दिया है। एक पेड़ लगाना, एक जीवन बचाने के समान है। पर्यावरण बचाओ, क्योंकि स्वच्छ हवा, स्वच्छ जल और स्वच्छ धरती के बिना जीवन संभव नहीं। बढ़ता प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन हमें आगाह कर रहे हैं कि अब भी नहीं संभले तो बहुत देर हो जाएगी।

धरती बचाओ

क्योंकि यही हमारा एकमात्र घर है। धरती का दोहन नहीं, संरक्षण ही सच्चा विकास है।

"बचाओ" कोई नारा नहीं

बल्कि समय की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। आज लिया गया सही निर्णय ही आने वाली पीढ़ियों का भविष्य सुरक्षित करेगा।

धार जिले के सादलपुर पुलिस थाने को मिली बडी सफलता करोड़ों रूपये की अवैध शराब जप्त

पुलिस ने 1525 पेटीया अवेध शराब जब्त कर दो आरोपीयों को किया गिरफ्तार

दिलीप पाटीदार

श्रीमान पुलिस महानिरीक्षक इन्दौर (ग्रामीण) श्री अनुराग, श्रीमान पुलिस उप महानिरीक्षक श्री मनोज कुमार सिंह द्वारा लगातार क्षैत्र में अवैध शराब पर कार्यवाही, अवैध गतिविधियों पर नियंत्रण हेतु टीम बनाकर कार्यवाही करने हेतु सभी थाना प्रभारियों को निर्देशित किया जा रहा था, जिसके तारतम्य में श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय जिला धार श्री मयंक अवस्थी एवं श्रीमान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय जिला धार पारूल बेलापुरकर के निर्देशन एवं श्रीमान अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) बदनावर श्री अरविन्द सिह तोमर के मार्गदर्शन में मुझ थाना प्रभारी निरीक्षक सविता चौधरी के द्वारा अवैध शराब को पकड़ने हेतु थाने से टीम गठित की गई थी।

दिनांक 05.01.2026 को मुखबीर की सूचना पुलिस को मिली की इन्दौर तरफ से अज्ञात व्यक्ति 02 आयशर वाहन क्रमांक MP.41.GA.1571 एंव MP.09.AM.1571 मे अवैध शराब लेकर

जा रहे है, टीम द्वारा मुखबीर के बताये स्थान इन्दौर अहमदाबाद रोड पर कलसाड़ा फाटा के पास स्थित A- 01 होटल पर चैकिंग करते मुखबीर के अनुसार बताए 02 आयशर वाहन क्रमांक MP.41.GA.1571 एंव MP.09.AM.1571 खड़े होना पाया जाने से होटल पर वाहन के चालक से पुछताछ करने पर वाहन MP.41. GA.1571 का चालक कुवंरसिहं पिता भीमसिंह मण्डलोई, उम्र- 46 वर्ष, निवासी- कुम्हार गड्डा, धार एंव वाहन MP.09.AM.1571 के चालक जितेन्द्र पिता गोविन्द पिपलाज, उम्र- 34 वर्ष, निवासी- ग्राम सेंदला, चौकी- डेहरी, थाना- बाग, हालमुकाम सिंधी भोण्डिया, थाना- सेक्टर 01 को लाकर वाहन की तलाशी ली गई जिसमे अवैद्य शराब की कुल 1525 पेटिया, जिसमे कुल 13176 बल्क लीटर शराब, कुल कीमती करीब 1,66,32,720/- व जप्त शुदा उक्त दोनो वाहन कुल कीमती 22,00,000/- रूपये कुल 1,88,32,720/- का मश्रुका जप्त कर आरोपीगण के विरुद्ध धारा 34 (2) आबकारी अधिनियम के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। उक्त कार्यवाही मे थाना प्रभारी निरीक्षक सविता चौधरी, उनि राधेश्याम परमार, सउनि राकेश मौर्य, सउनि. योगेशसिंह चौहान, सउनि. रघुवीर सोलंकी, प्र.आर.140 विशाल भदकारे, प्र.आर. 358 राहुल मीणा, प्र.आर. 165 किशोर सिंह चौहान, आर. 1010 रोहित कुमार नागर, आर. 727 भगवतीलाल चौहान, आर. 988 सुनेरसिंह चौहान, आर, 116 राहुल डांगी, आर. 621 प्रतापसिहं राठौर एंव सैनिक 58 अमरसिंह का महत्वपुर्ण योगदान रहा।

माघ का महीना आत्मज्ञान की प्राप्ति व परमात्मा से योग का अवसर

माघ का महीना पहले माध का महीना था, जो बाद में माघ हो गया. माध शब्द का संबंध श्री कृष्ण के एक स्वरूप "माधव" से है। इस महीने को अत्यंत पवित्र माना जाता है। इस महीने में ढेर सारे धार्मिक पर्व आते हैं , साथ ही प्रकृति भी अनुकूल होने लगती है। इसी महीने में संगम पर "कल्पवास" भी किया जाता है, मान्यता अनुसार इससे व्यक्ति शरीर और आत्मा से नवीन हो जाता है। माघ मास में दान करने का भी विशेष महत्व होता है। साथ ही इस माह में ही मौनी अमावस्या पर्व भी आता है जो मौन के महत्व को रेखांकित करता है। इसी माह में मां शारदा की आराधना का पर्व वसंत पंचमी भी मनाया जाता है। भारतीय संस्कृति का निर्धारण मनीषियों द्वारा गणितीय, वैज्ञानिक, प्राकृतिक, शारीरिक, आध्यात्मिक व आत्मिक दृष्टिकोण को ध्यान में रखकर किया गया है। आधुनिक समय में अधिकांश व्यक्ति या तो इन सूक्ष्मताओं से अनभिज्ञ होते हैं अथवा इन्हें अत्यंत सतही तौर पर मानते हैं। वास्तव में यह पूर्ण मास सूक्ष्म शरीर को संतुलित कर परमात्मा से योग का अवसर प्रदान करता है। हमारे सूक्ष्म शरीर के प्रमुख छः चक्रों की जागृति का विधान हमारी संस्कृति निर्माताओं ने हमें इस माह में सहज ही प्रदान किया है। कल्पवास की योजना हमें पवित्रता की ओर ले जाती है जिससे मूलाधार चक्र की जागृति संभव हो सकती है। इसके पश्चात इस माह में दान का महत्व बताया गया है, जब हम अपनी अर्जित संपत्ति का प्रयोग जरूरतमंद लोगों के लिए करते हैं तो मां लक्ष्मी की कृपा के पात्र बनते हैं अर्थात नाभि चक्र की जागृति का मार्ग खुलता है। मौन हमें बाह्य जगत से आत्मा की ओर ले जाता है जिससे हृदय चक्र की ओर हमारी दृष्टि जाती है। इसके पश्चात् हम ज्ञान को आत्मसात करने के लिए पूर्णतया तैयार होते हैं और तब हम वसंत पंचमी पर मां सरस्वती की आराधना द्वारा स्वाधिष्ठान चक्र की जागृति करते हैं। माधव मास की साधना व मौन हमारे विशुद्धि चक्र की शुद्धता में सहायक होता है। आत्मज्ञान की प्राप्ति हमें द्वेष व अहंकार से मुक्ति प्रदान करती है व आज्ञा चक्र की जागृति का मार्ग प्रशस्त होता है। परंतु साधना में कमी यह रह जाती है कि प्रत्येक व्यक्ति इस सूक्ष्म संरचना को समझ नहीं पाता और यदि ज्ञान की प्राप्ति होती भी है तो वह स्थिर नहीं रह पाती सांसारिक जीवन से जुड़ते ही पुनः भौतिकता व माया मन को उलझाने लगती है । इसका सहज समाधान सहजयोग संस्थापिका श्री माताजी निर्मला देवी जी ने कुंडलिनी जागरण द्वारा आत्मसाक्षात्कार की प्राप्ति के रूप में हमारे समक्ष प्रस्तुत किया है। सहजयोग ध्यान द्वारा किसी विशेष अवसर पर नहीं वरन् प्रतिपल जागृत, संतुलित व परमात्मा से योग की अवस्था को प्राप्त कर सकते हैं। इस अनुभव का एक अवसर इस पवित्र मास में स्वयं को अवश्य प्रदान करें। सहजयोग ध्यान का आनंद और अनगिनत लाभ लेने हेतु आप जानकारी टोल फ्री नं – 1800 2700 800 अथवा यूट्यूब चैनल लर्निंग सहजयोगा से प्राप्त कर सकते हैं।

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

प्रदीप सिंह बघेल

शहडोल- पुलिस अधीक्षक श्री रामजी श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में जिले में सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा थीम पर राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह चलाया जा रहा है। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह का उददेश्य सड़क दुर्घटनाओ में कमी लाना है।

इसी अनुक्रम में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत यातायात प्रभारी श्री संजय जायसवाल के नेतृत्व में नेहरू डिग्री कॉलेज बुढ़ार में यातायात जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जागरूकता कार्यक्रम में यातायात प्रभारी श्री संजय जायसवाल ने कहा कि यातायात नियमो का पालन करना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य एवं जिम्मेदारी है। दो पहिया वाहन में बैठने वाले व्यक्ति को हेलमेट का जरूरी उपयोग करना चाहिए। यातायात नियमों का पालन कर स्वयं एवं दूसरों के जीवन की सुरक्षा सुनिश्चित करें। वाहन निर्धारित गति मे ही चलाएं, बना ड्रायविंग लायसेंस के वाहन नहीं चलाएं। संकेतकों का पालन करें। इस अवसर पर यातायात जागरूकता संबंधी क्विज प्रतियोगिता एवं प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को हेलमेट प्रदान कर सम्मानित किया गया।

रणजीत टाइम्स

कमिश्नर कार्यालय में हुआ जनसुनवाई का आयोजन

शहडोल- कमिश्नर शहडोल संभाग सुरभि गुप्ता ने

प्रदीप सिंह बघेल

शहडोल संभाग के दूर-दराज से आए लोगों की समस्याएं और शिकायतें सुनी और उनके निराकरण समय-सीमा में करने के निर्देश संबंधित विभाग के अधिकारियों को दिए। जनसुनवाई में शहडोल जिले के ग्राम कोटमा निवासी दीपक तिवारी ने निजी भूमि से शेड हटवाने, बुढ़वा निवासी संजय सोनी ने शासकीय माध्यमिक विद्यालय बुढ़वा में अतिथि शिक्षक रूप में पदस्थ करने, शहडोल निवासी सुमन विश्वकर्मा ने राशन कार्ड में नाम जुड़वाने, ग्राम मैकी निवासी रामबिहारी बैगा ने विद्युतीकरण

कार्य करवाने, ग्राम बिजहा निवासी बीरन कोल ने भूमि का आवासीय पट्टा दिलवाने, शहडोल के कृष्णा कालोनी निवासी शंखी बाई वर्मा ने वृद्धा पेंशन योजना का लाभ दिलाने, अनूपपुर जिले के ग्राम पटनाकला निवासी राजकुमारी विश्वकर्मा ने स्वत्वों का भुगतान कराने हेतु आवेदन जनसुनवाई में दिए। कमिश्नर ने प्राप्त आवेदनों के निराकरण हेतु संबंधित विभाग के अधिकारी की ओर आवेदन प्रेषित कर शीघ्रता के साथ निराकरण करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार अन्य अवेदकों ने भी अपनी शिकायतें एवं समस्याओं संबंधी आवेदन कमिश्नर को दिए। जनसुनवाई में संयुक्त आयुक्त विकास श्री मगन सिंह कनेश, उपायुक्त राजस्व मिनिषा पाण्डेय सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

श्री महाकाल सेना संगठन का तीसरा कार्यक्रम भव्य रूप से संपन्न

ऋषि गोस्वामी

शिवपुरी। श्री महाकाल सेना संगठन द्वारा आयोजित तीसरा धार्मिक कार्यक्रम बड़ी धूमधाम और श्रद्धा के साथ संपन्न हुआ। इस आयोजन को सफल बनाने में आयोजक श्री गोविंद सोनी एवं कॉलोनीवासियों का विशेष योगदान रहा, जिनके सहयोग से कार्यक्रम अत्यंत भव्य और सुव्यवस्थित रूप में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम के दौरान विजय कटारे जी एवं उनकी टीम द्वारा किया गया सुंदर व भावपूर्ण वाचन श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहा, जिसे उपस्थित जनसमूह ने सराहा। श्री महाकाल सेना संगठन की ओर से आयोजक श्री गोविंद सोनी एवं उनकी पूरी टीम का हृदय से धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया गया। इस अवसर पर श्री महाकाल सेना संगठन के प्रमुख कुक्कू भैया, रवि भैया, बंटी सोनी, वीरेंद्र शाक्य, मीडिया प्रभारी ऋषि गोस्वामी सहित संगठन के समस्त पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने आयोजन मंडल को सफल कार्यक्रम के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

महाआर्यमन सिंधिया के प्रथम शिवपुरी आगमन पर श्री महाकाल सेना ने किया बाबा महाकाल दरबार भेंट

ऋषि गोस्वामी

शिवपुरी। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के सुपुत्र एवं मध्यप्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के नवनियुक्त अध्यक्ष महाआर्यमन सिंधिया के प्रथम शिवपुरी आगमन पर धार्मिक एवं सामाजिक संगठनों में उत्साह देखने को मिला। इस अवसर पर श्री महाकाल सेना की ओर से महाआर्यमन सिंधिया को बाबा महाकाल दरबार भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में महाकाल सेना के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने उन्हें शुभकामनाएँ देते हुए बाबा महाकाल का आशीर्वाद प्रदान किया।

महाकाल सेना के सदस्यों ने कहा कि महाआर्यमन सिंधिया के नेतृत्व में मध्यप्रदेश क्रिकेट

को नई दिशा और नई पहचान मिलेगी। साथ ही बाबा महाकाल से उनके उज्ज्वल भविष्य एवं सफल कार्यकाल की कामना की गई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक एवं महाकाल भक्त उपस्थित रहे।

युवराज महाआर्यमन सिंधिया से रितिक गर्ग व टीम की सौजन्य भेंट

ऋषि गोस्वामी

शिवपुरी। अंतरराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन युवा इकाई के जिला अध्यक्ष एवं भारतीय जनता पार्टी पुरानी शिवपुरी मंडल के उपाध्यक्ष रितिक गर्ग (भटनावर वाले) ने अपनी समस्त टीम के साथ युवराज महाआर्यमन सिंधिया जी से सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर संगठनात्मक विषयों, युवाओं की भूमिका तथा समाज के सर्वांगीण विकास को लेकर सकारात्मक चर्चा हुई। युवराज महाआर्यमन सिंधिया जी ने युवाओं को सामाजिक व राष्ट्रहित में सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित किया और उनके प्रयासों की सराहना की।

भेंट के दौरान वैश्य समाज की एकता, संगठन की मजबूती और भविष्य की योजनाओं पर भी विचार-विमर्श किया गया। रितिक गर्ग एवं उनकी टीम ने युवराज जी का आभार व्यक्त करते हुए उनके मार्गदर्शन को प्रेरणादायक बताया।

IIT रुड़की में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन

स्वास्थ्य और विकास में आने वाली चुनौतियों पर हुआ विचार-विमर्श

रुड़की। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) रुड़की में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में स्वास्थ्य और विकास के मार्ग में आने वाली महत्वपूर्ण चुनौतियों पर विचार-विमर्श किया गया। वहीं इस दौरान सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र पुरस्कार डॉ. बसंत के पांडा (पापुलेशन काउंसिल, भारत) और तनिषा (लैंकेस्टर यूनिवर्सिटी, यूनाइटेड किंगडम) को प्रदान किया गया। संस्थान की एहेड प्रयोगशाला की ओर से आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन "स्वास्थ्य और विकास में वैश्विक व्यवधानः चुनौतियां, नवाचार और इक्कीसवीं सदी के लिए मार्ग" विषय के अंतर्गत आयोजित किया गया। इसमें नीति-प्रासंगिक अनुसंधान पर ध्यान केंद्रित किया गया। इसमें स्वास्थ्य प्रणालियों की लचीलापन क्षमता, जलवायु एवं पर्यावरणीय स्वास्थ्य, वित्तपोषण एवं जोखिम, जनसांख्यिकीय परिवर्तन, प्रौद्योगिकीय रूपांतरण तथा क्षेत्रीय

असमानताओं को शामिल किया गया। सम्मेलन में आईआईटी रुड़की के अंतरराष्ट्रीय संबंध अधिष्ठाता प्रोफेसर वीसी श्रीवास्तव, एम्स ऋषिकेश के हृदय रोग विभाग के प्रमुख प्रोफेसर (डॉ.) भानु दुग्गल और संस्थान के मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग की प्रमुख प्रोफेसर स्मिता झा ने साक्ष्य-आधारित नीति निर्माण और सामाजिक रूप से उत्तरदायी शासन के समर्थन में अकादमिक संस्थानों की भूमिका को रेखांकित किया। सम्मेलन में प्रोफेसर साबु पद्मदास (यूनिवर्सिटी ऑफ साउथैंप्टन, यूनाइटेड किंगडम), डॉ. मार्गरिट त्रियाना (वरिष्ठ अर्थशास्त्री, विश्व बैंक), डॉ. सुमन सेठ (यूनिवर्सिटी ऑफ लीड्स, यूनाइटेड किंगडम), प्रोफेसर प्रकाश सी कांडपाल (आईसीसीआर चेयर, यूनिवर्सिटी ऑफ साउथैंप्टन) तथा प्रोफेसर दिब्येंदु मैती (दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनामिक्स) ने व्याख्यान दिए। इस मौके पर सम्मेलन के संयोजक डॉ. प्रताप सी मोहंती, सह संयोजक डॉ. मनीष के अस्थाना के अलावा विश्व बैंक, यूनिवर्सिटी ऑफ नोट्रे डेम (संयुक्त राज्य अमेरिका), आईआईटी कानपुर, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय और अन्य संगठनों के प्रतिनिधियों ने प्रतिभाग किया।

पांच दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यशाला का आयोजन

स्वास्थ्य एवं विकास पर आयोजित सम्मेलन के दौरान संस्थान के मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग में "स्वास्थ्य और कल्याण में बड़े-पैमाने के डेटा विश्लेषण" विषय पर पांच दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यशाला का भी आयोजन किया गया। इस कार्यशाला ने युवा शोधकर्ताओं और पेशेवरों के बीच डेटा आधारित विश्लेषणात्मक क्षमताओं को सुदृढ़ किया।

अशोकनगर शहर को साफ,स्वचछ, सुंदर एवं सुव्यवस्थित आवागमन हेतु की गई अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही

गोलू यादव

कलेक्टर आदित्य सिंह के निर्देशन में नगरपालिका अशोकनगर द्वारा अशोकनगर शहर को साफ,स्वच्छ,सुंदर एवं यातायात व्यवस्था एवं सुगम आवागमन को सुव्यवस्थित बनाने हेतु मंगलवार को अस्पताल चौराहे से महात्मा बाडे से सड़क किनारे किये गये अतिक्रमण एवं दुकान के बाहर लगे सेट निर्माण का हटाया गया। अतिक्रमण हटाये जाने की कार्यवाही का कलेक्टर आदित्य सिंह द्वारा स्वंय मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया गया एवं संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। इस दौरान एसडीएम श्रीमती शुभ्रता त्रिपाठी,एसडीओपी विवेक शर्मा, तहसीलदार भारतेन्दु यादव,मुख्य नगरपालिका अधिकारी अशोकनगर विनोद उन्नीतान,कोतवाली थाना प्रभारी रविप्रताप चौहान सहित पुलिस एवं प्रशासनिक अमला उपस्थित रहा। उल्लेखनीय है कि अतिक्रमण हटाये के पूर्व नगरपालिका द्वारा शहर में एनाउमेंट कराकर अतिक्रमण हटाये जाने की सूचना दी गई थी। अतिक्रमण हटाये जाने की मुहिम सतत जारी रहेगी। अतिक्रमण हटाये जाने की अगली कार्यवाही गांधी पार्क से स्टेशन रोड,इन्द्रा पार्क,मिलन तिराहा,एचडीएफसी चौराहा तथा नवीन बस स्टेण्ड पर किये गये अतिक्रमण को हटाया जायेगा।

कलेक्टर ने जनसुनवाई में आवेदकों की सुनी समस्याएं आवेदकों से विभिन्न समस्याओं से संबंधित 169 आवेदन प्रापत

मंगलवार को आयोजित जिला स्तरीय जनसुनवाई में कलेक्टर आदित्य सिंह द्वारा कलेक्ट्रेट के जनसुनवाई कक्ष में आवेदकों की समस्याओं को समक्ष में सुनकर निराकरण के निर्देश मौके पर उपस्थित जिला अधिकारियों को दिए। जनसुनवाई में 169 आवेदन प्राप्त हुए। आवेदनों का निराकरण करने के निर्देश जिला अधिकारियों को दिए। जनसुनवाई में ग्राम खैजरा निवासी पवन प्रजापति द्वारा राशन पर्ची बनवाए जाने,ग्राम जलालपुर निवासी सीताराम द्वारा मार्कशीट एवं स्थानांतरण पत्र दिलवाए जाने,विजयपुरा निवासी सतेन्द्र यादव द्वारा खसरा नंबर को कम्प्यूटर पर दर्ज कराए जाने,नई आबादी अशोकनगर निवासी सिमरन सिजावट द्वारा अंतरजातीय विवाह प्रोत्साहन राशि दिलाए जाने,ग्राम काकाखेड़ी निवासी तुलाराम आदिवासी द्वारा राशन कार्ड बनवाए जाने,ग्राम रतभानपुर निवासी तुलसीराम मोगिया द्वारा किसान सम्मान निधि दिलाए जाने,ग्राम ककरूआ राय के समस्त ग्राम वासियों द्वारा मुक्तिधाम की भूमि से अतिक्रमण हटवाए जाने,केन्ट गुना निवासी समीर खान द्वारा जमीन का बटांकन कराए जाने,नगेश्री चौराहा अशोकनगर निवासी राहुल पाल द्वारा मार्कशीट निकलवाए जाने संबंधी समस्यामूलक आवेदन प्राप्त हुए। प्राप्त आवेदनों के निराकरण समय सीमा में किये जाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को मौके पर दिए। जनसुनवाई में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत राजेश जैन,अपर कलेक्टर डी.एन. सिंह, संयुक्त कलेक्टर आर.बी.सिण्डोस्कर, बृजविहारी लाल श्रीवास्तव सहित जिला अधिकारी उपस्थित थे।

यूपी में बिहार से 'विकराल' एसआईआर

- पहली ड्राफ्ट लिस्ट में 2.89 करोड़ नाम कटे
- अब 12.55 करोड़ वोटर्स,30 दिन का समय

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी में की पहली ड्राफ्ट सूची जारी हो गई है। अब लोग चुनाव आयोग की वेबसाइट पर जाकर ड्राफ्ट मतदाता सूची में अपना नाम देख सकते हैं। चुनाव आयोग प्रेस कॉन्फ्रेंस के जरिए इसकी विस्तार से जानकारी दी। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि प्रदेश में 12.55 करोड़ मतदाता हैं, जो पहले 15.44 करोड़ थे। यानी पहले चरण के बाद 2.89 करोड़ (18 फीसदी) नाम कट गए। आज यानी 6 जनवरी से दावे-आपत्तियां की जा सकती हैं। जिनके भी नाम पहली ड्राफ्ट सूची में नहीं हैं, वे 6 फरवरी तक फॉर्म 6 या 7 भरकर जमा कर सकते हैं। ताकि उनका नाम जोड़ा जा सके।

- **1 जनवरी 2008 से पहले जन्मे लोग फार्म भर सकते हैं-** राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया- 1 जनवरी 2008 से पहले जन्मे लोग फार्म भर सकते हैं। 1 अक्टूबर से जो एलिजेबल हो रहे हैं, वे फार्म भर सकते हैं। उन्होंने बताया- एपिक नंबर से भी सर्च किया जा सकता है। ईसीआई नेट एप पर भी जानकारी देखी जा सकती है। नाम नहीं है तो फॉर्म 6 भर दें। फॉर्म-8 करेक्शन के लिए भरा जाएगा। फार्म 7 डिलीट कराने के लिए भरा जाएगा। 6-ए विदेश में रहने वालों के लिए हैं। पासपोर्ट के एड्रेस के विधानसभा क्षेत्र में भरे जाएंगे। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया- जिनका फॉर्म मिला है, उनकी मैपिंग नहीं है। उन्हीं को नोटिस दिया जाएगा। 91 प्रतिशत से अधिक मैपिंग हुई है। करीब 9 प्रतिशत लोगों को मैपिंग के लिए नोटिस जाएगा। 1.4 करोड़ ऐसी संख्या है।

यूपी पंचायत चुनाव में शराब बांटना अब पड़ जाएगा भारी

- प्रधान प्रत्याशी का होगा सामाजिक बहिष्कार,लोगों का फैसला

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी के पंचायत चुनाव की तैयारियां चल रही है। प्रदेश के ग्राम पंचायतों में चुनाव को लेकर हलचल तेज है। इस बीच बागपत जनपद से एक खबर है। यहां के ढिकौली गांव में जिला जाट सभा की पंचायत में पंचों के साथ-साथ आगामी पंचायत चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे प्रत्याशियों ने चुनाव के दौरान किसी भी कीमत पर शराब नहीं बांटने की शपथ ली। पंचायत में शराब बांटने वाले प्रत्याशी का सामाजिक बहिष्कार करने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया। जिला जाट सभा अध्यक्ष, अधिवक्ता सोमेन्द्र ढाका के आवास पर रविवार को नशा मुक्त समाज के संकल्प के साथ आयोजित की गई इस पंचायत में लिए गए निर्णय के बारे में जानकारी ढाका ने मंगलवार को दी।

राजनीतिक महत्वाकांक्षा के लिए कोई राज्य इतना नीचे न गिरे

- कार्तिगई दीपम मामले में हाईकोर्ट ने तमिलनाडु सरकार को खूब लताड़ा
- बरकरार रखा जस्टिस स्वामीनाथन का कार्तिगई दीपम जलाने का फैसला

चेन्नई (एजेंसी)। मद्रास हाईकोर्ट की मदुरै पीठ की डिवीजन बेंच ने मंगलवार को सिंगल बेंच के उस आदेश को बरकरार रखा, जिसमें तिरुपरंकुंद्रम पहाड़ी पर स्थित प्राचीन पत्थर के दीप स्तंभ (दीपथून) पर अरुल्मिगु सुब्रमण्यम स्वामी मंदिर के प्रतिनिधियों द्वारा कार्तिगई दीपम जलाने की अनुमति दी गई थी। यह स्थान हजरत सुल्तान सिकंदर बादशाह औलिया दरगाह के निकट है। सिंगल बेंच के आदेश के खिलाफ राज्य प्राधिकारी, दरगाह प्रबंधन और तमिलनाडु वक्फ बोर्ड ने याचिका दायर की थी। हालांकि डिवीजन बेंच ने इन लोगों द्वारा कोई ठोस सबूत पेश करने में असफल बताया, जो यह साबित कर सके कि आगम शास्त्र के अनुसार दीप जलाना प्रतिबंधित है।

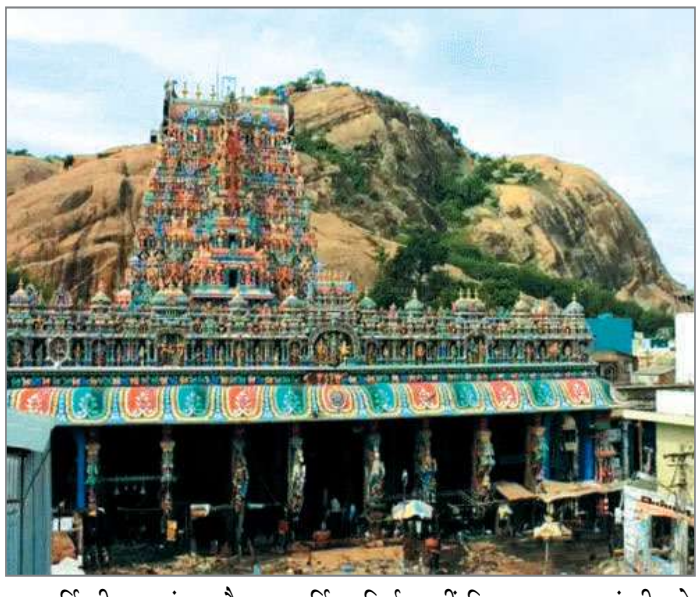

न्यायमूर्ति जी. जयचंद्रन और न्यायमूर्ति केके रामकृष्णन की खंडपीठ ने कहा कि यह मामला रेस ज्यूडिकाटा से प्रभावित नहीं है, क्योंकि पूर्व के किसी भी मुकदमे में इस मुद्दे पर अंतिम निर्णय नहीं दिया गया था। खंडपीठ ने तीखी टिप्पणी करते हुए राज्य प्रशासन की दलीलों पर सवाल उठाए। पीठ ने अपने आदेश में कहा- यह हास्यास्पद और अविश्वसनीय है।

दरगाह का पक्ष और प्रशासन की आपत्तियां

हजरत सुल्तान सिकंदर बादुशा औलिया दरगाह की ओर से कहा गया कि 1920 में दी गई भूमि पर अल्पसंख्यक समुदाय को अपने धार्मिक अधिकारों के उपभोग में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। दरगाह ने यह भी आरोप लगाया कि सिंगल जज ने उनका पक्ष ठीक से नहीं सुना और याचिकाओं से परे जाकर नया मामला गढ़ा। संयुक्त आयुक्त ने तर्क दिया कि यह स्तंभ कार्तिक दीपम जलाने के लिए नहीं, बल्कि क्षेत्र में रहने वाले संतों द्वारा उपयोग में लाया जाता था। मदुरै के कलेक्टर और पुलिस आयुक्त ने कहा कि दीपथून जैसी कोई संरचना न्यायाधीश या भक्तों की कल्पना का परिणाम है और दरगाह की सीढ़ियों से चढ़कर दीप जलाने में व्यावहारिक कठिनाइयां हैं।

- **नहीं माना गया सिंगल जज का आदेश-** यह मामला 1 दिसंबर 2025 को सिंगल जज द्वारा दिए गए उस आदेश से जुड़ा है, जिसमें तिरुपरंकुंद्रम स्थित अरुल्मिगु सुब्रमण्यम स्वामी मंदिर के प्रतिनिधियों को कार्तिगई दीपम के अवसर पर पहाड़ी की चोटी पर स्थित दीपथून पर दीप जलाने का निर्देश दिया गया था। हालांकि, उस दिन आदेश का पालन नहीं हुआ। इसके बाद उसी दिन सिंगल जज ने भक्तों को स्वयं पहाड़ी पर जाकर दीप जलाने की अनुमति दी, लेकिन तब भी दीप प्रज्वलन नहीं हो सका। इस बीच अवमानना की कार्यवाही जारी है। सिंगल जज के आदेश के खिलाफ राज्य सरकार, पुलिस, दरगाह प्रबंधन और तमिलनाडु वक्फ बोर्ड ने खंडपीठ का रुख किया। राज्य ने तर्क दिया कि दीप प्रज्वलन को कोई कानूनी अधिकार नहीं माना जा सकता और संविधान के अनुच्छेद 226 के तहत लंबे समय से चली आ रही परंपरा में बदलाव नहीं किया जा सकता।

जेएनयू में पीएम मोदी और अमित शाह के खिलाफ नारेबाजी को विश्वास सारंग ने बताया 'देशद्रोह', कहा हिंदुस्तान का देशभक्त नागरिक इसे स्वीकार नहीं करेगा

भोपाल। जेएनयू कैंपस में सोमवार रात को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ विवादित नारों को लेकर राजनीतिक तापमान बढ़ गया है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा उमर खालिद और शरजील इमाम को जमानत देने से इंकार करने के बाद हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान कुछ लोगों ने आपत्तिजनक और भड़काने वाले नारे लगाए, जिनमें प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को निशाना बनाया गया। इसे लेकर मध्यप्रदेश कैबिनेट मंत्री विश्वास सारंग ने कड़ी प्रतिक्रिया जताते हुए कहा है कि ऐसी मानसिकता का निर्माण तब होता है जब विपक्ष के नेता विदेशों में जाकर देश की चुनी हुई सरकार और संवैधानिक व्यवस्था पर सवाल उठाते हैं। उन्होंने कहा कि पीएम को गाली देना देश की जनता को गाली देना है और कोई भी देशभक्त नागरिक इस तरह की बातों को स्वीकार नहीं करेगा।

जेएनयू में पीएम मोदी और अमित शाह के खिलाफ लगे नारे- जेएनयू एक बार फिर विवादों में घिर गया है। सोमवार रात कैंपस में छात्रों के एक समूह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ आपत्तिजनक नारे लगाए। सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिल्ली दंगों की साजिश मामले में उमर खालिद और शरजील इमाम की जमानत याचिका खारिज होने के बाद जारी विरोध प्रदर्शन में ये नारे लगाए गए। रिपोर्ट्स के मुताबिक़, ये प्रदर्शन साबरमती हॉस्टल के बाहर हुआ जहां पर पीएम मोदी और अमित शाह के खिलाफ आपत्तिजनक नारेबाजी हुई।

विश्वास सारंग ने निंदनीय और देशद्रोह करार दिया- इसे लेकर बीजेपी ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। मध्यप्रदेश सरकार में मंत्री विश्वास सारंग ने इस मामले पर कहा है कि जेएनयू में जिस तरह की नारेबाजी हुई हैं..वो निंदनीय भी है और ये मामला देशद्रोह की श्रेणी में आता है। उन्होंने कहा कि ÷इस मानसिकता की शुरुआत राहुल गांधी के विदेशी दौरे से होती है। जब राहुल गांधी विदेश दौरे में देश की चुनी हुई सरकार पर इल्ज़ाम लगाते हैं तो ऐसे लोगों को संरक्षण मिलता है। विपक्ष के नेता देश की सेना पर प्रश्नचिन्ह लगाते हैं, आतंकवाद को संरक्षण देने का काम करते हैं, तुष्टिकरण की राजनीति के के कारण देश को तोड़ने और समाप्त करने जैसे बयान देते हैं। चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर प्रश्नचिन्ह लगाकर पूरी दुनिया में हिंदुस्तान को बदनाम करने की कोशिश करते हैं तो ऐसी मानसिकता को संरक्षण मिलता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को गाली देना हिंदुस्तान की जनता को गाली देना है।

भोपाल दुग्ध संघ के सीईओ ने पचामा संयंत्र पहुंचकर "सुदाना" पशु आहर ट्रक को दिखाई झण्डी

- संयंत्र में उत्पादन, गुणवत्ता नियंत्रण एवं विपणन गतिविधियों की समीक्षा की।
- उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली एजेंसियों एवं डीसीएस को प्रशंसा प्रमाण-पत्र प्रदान किए

भोपाल। एमपी स्टेट कोआपरेटिव डेयरी फेडरेशन लिमिटेड (एमपीसीडीएफ) भोपाल से संबद्ध भोपाल दुग्ध संघ के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री प्रीतेश जोशी ने सोमवार 05 जनवरी 2026 को क्षेत्रांर्गत पशु आहार संयंत्र, पचामा पहुंचकर सुदाना काटल फीड के एक रेंटेड ट्रक को झण्डी दिखाते हुए कहा कि दुग्ध संघ के अब तक अनकवर्ड एवं कम कवर किए गए क्षेत्रों में पशु आहार की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सकेगी और विपणन नेटवर्क का विस्तार होगा। इस अवसर पर उन्होंने किसानों तक सुदाना पशु आहर की पहुंच बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाकर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली एजेंसियों एवं डीसीएस को प्रशंसा प्रमाण-पत्र प्रदान किए। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित सभी लोगों को नव वर्ष 2026 की शुभकामनाएं दी है।

विपणन व वितरण की समीक्षा बैठक ली- पशु आहार संयंत्र पचामा में पशु आहार उत्पादन, गुणवत्ता नियंत्रण एवं विपणन गतिविधियों की समीक्षा करके संयंत्र की कार्यप्रणाली, कच्चे माल की गुणवत्ता, परीक्षण व्यवस्था तथा वितरण प्रणाली की विस्तृत जानकारी ली। पशु आहार संयंत्र प्रशासन ने सीईओ को अवगत कराया कि दिसंबर 2025 में पचामा पशु आहर संयंत्र द्वारा 3200 मीट्रिक टन से अधिक 'सुदाना पशु आहार की बिक्री की गई, जो वर्ष 2025 की सर्वाधिक मासिक बिक्री है। समीक्षा बैठक में संयंत्र प्रबंधन, कर्मचारियों, एजेंसी मालिकों एवं दुग्ध संग्रहण समितियों (डीसीएस) के प्रयासों की सराहना की।

पशु आहार संयंत्र निरंतर रहेगा अग्रसर- सीईओ ने बताया कि क्षेत्रांर्गत सुदाना पशु आहार की गुणवत्ता में निरंतर सुधार किया गया है तथा उत्पादन एवं गुणवत्ता नियंत्रण प्रक्रियाओं को और अधिक सुदृढ़ किया गया है।

भारत भवन से गूंजेगा शांति और संवाद का उद्घोष, 16 से 24 जनवरी तक होगा देश का पहला ऐतिहासिक महाभारत समागम

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल स्थित भारत भवन आगामी 16 से 24 जनवरी तक शांति, संवाद और मानवीय मूल्यों का वैश्विक संदेश देने का केंद्र बनेगा। इन नौ दिनों में यहां देश का पहला और अब तक का सबसे ऐतिहासिक महाभारत समागम आयोजित किया जाएगा। इस भव्य सांस्कृतिक आयोजन में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी शामिल होंगे। वीर भारत न्यास के तत्वावधान में होने वाले इस आयोजन में भारत के साथ-साथ इंडोनेशिया, श्रीलंका और जापान के प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय रंग समूह अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से शांति का संदेश देंगे। यह नौ दिवसीय आयोजन केवल सांस्कृतिक उत्सव नहीं बल्कि युद्ध के विरुद्ध शांति और संवाद का सशक्त मंच बनेगा। महाभारत समागम के दौरान नाटक, नृत्य-नाट्य, लोक एवं शास्त्रीय प्रस्तुतियां, कठपुतली कार्यशालाएं, अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव और अत्याधुनिक इमर्सिव डोम थिएटर के माध्यम से महाभारत की कथा को नए दृष्टिकोण से प्रस्तुत किया जाएगा।

इंदौर की जनता लापरवाही और भ्रष्टाचार का दंश झेल रही है- उमंग सिंघार

इंदौर। इंदौर को आठ बार स्वच्छता का पुरस्कार मिल चुका है। अधिकारी कैसे पुरस्कार ला रहे हैं, यह आप सबको और पूरे इंदौर वासियों को दिखा। अगर इंदौर स्वच्छ होता, इंदौर का पानी भी स्वच्छ होता और आज भागीरथपुरा में इस प्रकार की घटना नहीं होती। यह घटना अकेली घटना नहीं है इसके साथ कई तमाम मुद्दे भी हैं इंदौर में। इंदौर जल-प्रदूषण कांड भाजपा सरकार की लापरवाही, देरी और संवेदनहीन शासन का परिणाम है। जब तक दोषियों पर ठोस कार्रवाई, समयबद्ध सुधार और पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित नहीं होती, यह संकट समाप्त नहीं माना जा सकता। विपक्ष पीड़ित नागरिकों के अधिकारों की लड़ाई पूरी ताकत से जारी रखेगा। ट्रैफिक को लेकर जिस प्रकार की स्थिति है पूरे शहर में है, वह किसी से छिपी नहीं है। जब यहां लोग नौकरी के लिए या बच्चे स्कूल के लिए घर से निकलते हैं तो समय पर नहीं पहुंच पाते हैं। इंदौर की जनता विकास नहीं बल्कि लापरवाही, भ्रष्टाचार और संवेदनहीन शासन का दंश झेल रही है, और कांग्रेस इन जन समस्याओं की लड़ाई सड़क से सदन तक मजबूती से लड़ेगी। यह बात नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने इंदौर प्रेस क्लब में आयोजित पत्रकार वार्ता में कही। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के साथ पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा, विधायक सचिन यादव एवं शहर कांग्रेस अध्यक्ष चिंटू चौकसे भी मौजूद थे। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने इंदौर के भगीरथपुरा वार्ड क्रमांक-11 में पेयजल में सीवेज मिलने से उत्पन्न गंभीर स्वास्थ्य संकट पर भाजपा सरकार को कठघरे में खड़ा किया।

दिसंबर 2025 के अंतिम सप्ताह से शुरू हुई इस त्रासदी में अब तक 16 से अधिक नागरिकों की मौत, सैकड़ों लोगों की गंभीर बीमारी और हजारों नागरिकों के प्रभावित होने की पुष्टि हुई है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि यह घटना कोई आकस्मिक दुर्घटना नहीं, बल्कि लंबे समय से चली आ रही प्रशासनिक लापरवाही, देरी और संवेदनहीन शासन का परिणाम है। 2 लाख की सहायता राशि किसी की जान की कीमत नहीं हो सकती। यह मुआवज़ा नहीं, बल्कि सरकार की जवाबदेही से बचने का प्रयास है। मृतक के परिजनों को 1 करोड़ तक मुआवजा मिलना चाहिए। ज्यादातर पीड़ित परिवार गरीब और मजदूर वर्ग से हैं, जो बीमार होने के कारण रोजगार से भी वंचित, क्या सरकार उनकी मजदूरी की भरपाई कर पाएगी। उन्होंने कहा कि माँ अहिल्या की नगरी इंदौर ने भाजपा को हर स्तर पर समर्थन दिया कृ विधानसभा, संसद, नगर निगम और सत्ता का पूरा भरोसा। लेकिन बदले में भाजपा ने इंदौर को सिर्फ़ उपेक्षा, अव्यवस्था, धोखा और संवेदनहीन शासन दिया। इतने पूर्ण जनादेश के बावजूद नागरिकों को सुरक्षित पेयजल तक उपलब्ध नहीं। मंत्रियों द्वारा पीड़ितों के सवालों पर आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग किया गया, पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। श्री सिंगार ने कहा कि इंदौर शहर में व्याप्त मूलभूत समस्याओं, अव्यवस्थित प्रशासन और भाजपा सरकार के व्यापक भ्रष्टाचार को लेकर गंभीर सवाल खड़े किए गए। इंदौर में ट्रैफिक की बड़ी समस्या है और इसके पीछे कई कारण हैं। कह सकते हैं कि इंदौर के अंदर एक नया सिस्टम चालू हो गया है कि सड़के खोदो और नए टेंडर लाओ, पेवर्स निकालो फिर नया पेवर्स लगाओ। इंदौर के रहवासी संघ, नगर निगम और भाजपा की कारस्तानियों को देखते रहते हैं किस प्रकार से करप्शन हो रहा है। लेकिन इंदौर के रहिवासी संघ चुप क्यों है? आपकी सड़कें, आपका शहर, आपका मोहल्ला, आपकी बिल्डिंग, आपका अधिकार है। श्री सिंगार ने कहा कि आप टैक्स दे रहे हैं, लेकिन जिस प्रकार से भारतीय जनता पार्टी की नगर निगम में परिषद बैठी है, वह घोटाले कर रही है। 2012 में आपको पता है कि सवा 100 करोड़ का ड्रेनेज घोटाला हुआ। कई जानकारी हमने निकाली थी कि एक दिन के अंदर, एक ही दिन में पांच किलोमीटर की ड्रेनेज लाइन डल गई। एक दिन के अंदर 24 घंटे के अंदर ड्रेनेज लाइन कैसे डल सकती है? फर्जी बिल के घोटाले, सवा सौ करोड़ के। इंदौर की जनता से टैक्स के रूप में पैसे वसूली जा रहे हैं।

पढ़ाई को बोझ न समझें

आजकल के आधुनिक युग में बच्चों पर भी पढ़ाई का बोझ बढ़ता जा रहा है जिससे वे भी मानसिक तनाव का शिकार हो रहे हैं। बच्चे अधिक संवेदनशील होते हैं। वे अपनी भावनाओं और अनुभवों को आसानी से व्यक्त नहीं कर पाते। खासकर जब वे दुख, डर या असहज महसूस करते हैं तो वे इसे साफ शब्दों में नहीं बता पाते। इसका कारण यह है कि कई बार बच्चे मानसिक तनाव या डिप्रेशन की स्थिति में पहुंच सकते हैं।

लक्षण

मानसिक तनाव के कारण बच्चों के व्यवहार में कई तरह के बदलाव दिखाई देते हैं। जब बच्चे परेशान होते हैं तो वे चिड़चिड़े हो सकते हैं या चुप्पी साध सकते हैं। यह बदलाव अचानक आ सकता है। एक बच्चा जो हमेशा समय पर खाना खाता था, अचानक खाना खाने से मना कर सकता है। या वह खेल जिसमें वह रुचि रखता था, उसमें अब उसका मन नहीं लगेगा। ऐसे व्यवहार को केवल नखरे समझना सही नहीं है। यह मानसिक तनाव का संकेत हो सकता है।

स्वभाव में बदलाव

अगर कोई बच्चा पहले बहुत मिलनसार था और हर किसी से बात करता था, लेकिन अचानक वह चुप हो जाए या किसी से बात करना बंद कर दे, तो यह चिंता का विषय हो सकता है। इसके विपरीत, यदि कोई बच्चा जो पहले शांत रहता था, अचानक बहुत ज़्यादा बोलने लगे, तो यह भी मानसिक दबाव का संकेत हो सकता है।

इस प्रकार करें सहायता

माता–पिता को चाहिए कि वे अपने बच्चों की भावनाओं और मानसिक स्थिति पर ध्यान दें। बच्चों के दोस्तों को जानना जरूरी है। न तो बच्चों के दोस्तों को लेकर ज़्यादा टोकाटाकी करें और न ही हर बात में हस्तक्षेप। बस यह जानने की कोशिश करें कि आपके बच्चे किन दोस्तों के साथ समय बिताते हैं। समय–समय पर बच्चों के दोस्तों को घर बुलाएं। इससे आपको पता चलेगा कि वे किस प्रकार के प्रभाव में हैं और क्या उनके दोस्त उनके लिए सकारात्मक हैं।

जन्मदिन की
अग्रिम शुभ सूचना

"रंजीत टाइम्स" में अब आप अपने या
अपने प्रियजनों का जन्मदिन एक दिन पहले ही निशुल्क
प्रकाशित करवा सकते हैं!

बस हमें भेजिए: 1 जन्मदिन मनाने वाले की फोटो

2 उसका पूरा नाम- 3 बधाई देने वाले का नाम जन्मदिन के एक दिन पहले ही विज्ञापन भेज दें, ताकि समय रहते प्रकाशित किया जा सके।

भेजने का नंबर (Aditya): 8224951278

रंजीत टाइम्स में आपका विज्ञापन पूरी तरह मुफ्त प्रकाशित किया जाएगा!
अपने जज़बातों को शब्द दें – सिर्फ रंजीत टाइम्स के साथ।
टीम रंजीत टाइम्स- "आपका अपना अख़बार, आपकी आवाज़"

रणजीत टाइम्स

दैनिक रणजीत टाइम्स
जिला एवं तहसील स्तर पर
एजेंसी देना है
अपना बायोडाटा सम्पूर्ण विवरण के साथ हमें प्रेषित करें।
सम्पर्क करें
8224951278 :: 9827068888

दिल्ली के 15 से अधिक इलाकों में 2 दिन नहीं आएगा पानी

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली के दो विधानसभा क्षेत्रों के

करीब डेढ़ दर्जन इलाकों में दो दिन तक पानी का संकट और गहरा सकता है। दिल्ली जल बोर्ड (द्वारा लोगों को बताया गया है कि 6 और 7 जनवरी को इन कई इलाकों में पानी की सप्लाई बाधित रहेगी। डीजेबी की ओर से एक अलर्ट जारी कर बताया गया है कि हैदरपुर वाटर ट्रीटमेंट प्लांट से निकलने वाली पानी की एक लाइन क्षतिग्रस्त हो गई है। इसकी मरम्मत का काम युद्ध स्तर पर चल रहा है। इसके चलते इसके चलते रिठाला और रोहिणी विधानसभा क्षेत्रों के कई इलाकों में पानी आपूर्ति प्रभावित रह सकती है। प्रभावित क्षेत्रों में पानी की सप्लाई 08.01.2026 की सुबह तक फिर से शुरू होने की उम्मीद है। दिल्ली जल बोर्ड ने कहा है कि इन इलाकों में रहने वाले लोग जल बोर्ड के कंट्रोल रूम नंबरों 8 7 7 0 5 3 0 6 5 7 , 9 2 8 9 1 3 8 4 9 8 , 9 8 9 9 9 0 2 4 7 8 , 9 6 5 0 7 5 5 7 0 9 , 8 1 7 8 0 2 0 8 1 6 , 9 6 5 0 0 9 4 3 2 7 , 9643575478 और हेल्पलाइन नंबर 1916 पर कॉल कर पानी के टैंकर मंगवाने के लिए संपर्क कर सकते हैं। जल बोर्ड बोर्ड के मुताबिक प्रभावित इलाकों में गुरुवार सुबह तक पानी की सप्लाई सुचारू होने की उम्मीद है।

मेक्सिको से लेकर ईरान तक, ट्रंप के निशाने पर क्यों हैं ये 5 देश?

अमेरिकी सेना द्वारा वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को गिरफ्तार किए जाने के बाद से, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके सहयोगियों ने कोलंबिया, क्यूबा, मैक्सिको, ईरान और डेनमार्क के एक स्वशासी क्षेत्र ग्रीनलैंड सहित कई अन्य देशों और क्षेत्रों को कब्जा करने या हमले की चेतावनी जारी की है। आइए जानते हैं ये देश ट्रंप के निशाने पर क्यों हैं....

अमेरिका की सुरक्षा से जुड़ा है ग्रीनलैंड

आर्कटिक क्षेत्र में स्थित ग्रीनलैंड, जो दुनिया का सबसे बड़ा द्वीप है, में अमेरिका का लंबे समय से सुरक्षा हित 'रहा है। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान, जब जर्मनी ने डेनमार्क पर कब्जा कर लिया, तब अमेरिका ने ग्रीनलैंड पर आक्रमण किया और वहां सैन्य और रेडियो स्टेशन स्थापित किए। युद्ध के बाद भी अमेरिकी सेना ग्रीनलैंड में बनी रही। पिटुफिक अंतरिक्ष अड्डा, जिसे पहले घुले हवाई अड्डा के नाम से जाना जाता था, तब से अमेरिका द्वारा संचालित किया जा रहा है। यदि रूस अमेरिका की ओर मिसाइलें भेजता हैं, तो परमाणु हथियारों के लिए सबसे छोटा रास्ता उत्तरी ध्रुव और ग्रीनलैंड से होकर गुजरेगा। इस लिए पिटुकिक अंतरिक्ष अड्डा अमेरिका की रक्षा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

इसके अलावा, चीन और रूस ने हाल के वर्षों में आर्कटिक क्षेत्र में अपनी सैन्य क्षमताएं बढ़ाना शुरू कर दिया है। इसलिए अमेरिका भी अपने प्रतिद्वंद्वियों का मुकाबला करने के लिए आर्कटिक में अपनी उपस्थिति को और मजबूत करना चाहता है। ट्रंप ग्रीनलैंड के विशाल भुभाग मे खनन की संभावनाओं में भी रुचि रखते हैं।

रूस से क्यूबा की नजदीकी

1959 में फिदेल कास्त्रो के सत्ता में आने के बाद उन के सुधार अमेरिकी व्यापारिक हितों को नुकसान पहुंचाने लगे। दोनों देशों में टकाराय बढ़ा कास्त्रो ने समर्थन के लिए अमेरिका के सबसे बड़े प्रति सोवियत संघ की ओर रुख किया क्यूबा का सोवियत संघ के साथ गठबंधन ही वह मुख्य कारण था जिसके चलते अमेरिका क्यूबा को एक सुरक्षा खतरा मानता था।

कट्टर दुश्मन ईरान

अमेरिका और ईरान दशकों से एक-दूसरे के कट्टर दुश्मन रहे हैं। 2019 में यह शत्रुता और भी तीव्र हो गई। 2020 में पेंटागन द्वारा ईरान के सबसे शक्तिशाली जनरल कासिम सुलेमानी की हत्या के लिए हवाई हमले का आदेश देने के बाद यह चरम पर पहुंच गई। दोनों देशों के बीच तनाव की शुरुआत 20वीं सदी के पूर्वार्ध में मध्य पूर्व में अंग्रेजों के आगमन से हुई थी। यह कहानी तेल, शीत युद्ध, क्षेत्र में सत्ता के लिए संघर्ष और एक काक संकट से जुड़ी है।

कभी अमेरिका का भरोसेमंद सहयोगी था कोलंबिया

कोलंबिया,जो कभी लैटिन अमेरिका में अमेरिका का सबसे भरोसेमंद सहयोगी था, अब एक राजनयिक विवाद का केंद्र बन गया है। वर्ष 2000 में प्लान कोलंबिया की शुरुआत के बाद से, अमेरिका और कोलंबिया की नीतियां मादक पदार्थों की रोकथाम सैन्य सहयोग और राज्य निर्माण में भारी निवेश के साथ एक रहीं। हालांकि, 2010 के दशक के मध्य तक प्राथमिकताओं में अंतर के कारण अमेरिका और कोलंबिया के बीच मतभेद उत्पन्न हो गए। 2022 में पेट्रो के सत्ता में आने के साथ, जिन्होंने नशीली दवाओं के खिलाफ युद्ध समाप्त करने का वादा किया, द्विपक्षीय संबंध तनावपूर्ण हो गए।

मैक्सिको पर ट्रंप का दबाव

ट्रंप मेक्सिको से प्रवासन और मादक पदार्थों की तस्करी को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा मानते हैं। अपने दूसरे कार्यकाल मैं उन्होंने आवजन, व्यापार और सुरक्षा को लेकर मेक्सिको पर नए सिरे से दबाव डालना शुरू किया था।

दक्षिणा के आधार पर ज्योतिषी न देखें पत्रिका, आधुनिक उपाय बताएं

ज्योतिषी का कार्य सही रास्ता दिखाना है।
ज्योतिष में फैलाई जा रही भ्रांतियों को किया दूर।
पंचांग हर व्यक्ति को सीखने का बताया महत्व।

इंदौर। आप सभी प्रेस के साथियों को यह बताते हुए हर्ष हो रहा है कि दिनांक 4 जनवरी 2026 को नक्षत्र कुटी के तत्वाधान में एक दिवसीय वेदांग वार्ता का कार्यकम प्रेस क्लब में किया गया। ज्योतिषाचार्य डॉ. गिरीश व्यास ने कहा कि ज्योतिष के साथ वेदांग की भी आवश्यकता है।

ज्योतिष में आज के समय में काफी भ्रम फैलाया जा रहा है। इसके शमन के लिए यह कार्यक्रम किया गया। हमारा उद्देश्य सही ज्योतिष के जरिए लोगों का मार्गदर्शन करना है। ज्योतिष की मदद से आप पता कर सकते हैं कि आपके जीवन में आए ग्रहों और गोचर का एजेंडा क्या है। हर समय आपको धन और संपन्नता देने के लिए नहीं आता। कोई-कोई दशा आपके धर्म, दर्शन, आध्यात्मिकता की दिशा देने के लिए आती है। यदि आप उस समय के अनुसार ढलते हैं, तो लाभ प्राप्त करते हैं। इस आयोजन के संरक्षक पंडित योगेंद्र महंत ने बताया कि ज्योतिष ग्रहों के प्रभाव को नहीं बदलती, अपितु वह आपको संबल बनाकर उसे प्रभावों को कुछ हद तक कम कर सकती है। पंचांग के आधार पर दैनिक गतिविधियों को चलाने पर जीवन में सामंजस्य बनता है। संयोजक गोपाल बैरागी ने संचालन के साथ ज्योतिष के विविध आयामों पर जोर दिया। कार्यक्रम में महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति महामहोपाध्याय डॉ मिथिला प्रसाद त्रिपाठी ने बताया कि शनि, राहु-केतु बिना वजह ही बदनाम हैं। सबसे ज्यादा प्रभाव हमारे जीवन में सूर्य और चंद्रमा का पड़ता है। चंद्रमा मन का कारक है और सूर्य आत्म का। जब मन और आत्मा मजबूत होती है, तो व्यक्ति सफलता की सीढ़ियां चढ़ता है। इसलिए सूर्य की आराधना पर जोर देना चाहिए। विनायक पाण्डेय, विभागाध्यक्ष इंदौर शा.संस्कृत महाविद्यालय ने कल्प वेदांग पर चर्चा की साथ ही कहा कि ज्योतिषी का काम सही परामर्श देना है। वह दक्षिणा के आधार पर तय नहीं होना चाहिए। कोई पांच रुपए दे या 5000, हमें दोनों को ही उचित मार्गदर्शन करना चाहिए। पं रामचन्द्र शर्मा वैदिक ने बताया कि तिथि की मतभिन्नता पर काम करने की आवश्यकता है और हमें एक होकर तिथि निर्णय पर काम करना चाहिए। ज्योतिषी मनीष शर्मा ने कहा कि ज्योतिष का वर्तमान परिस्थितियों के आधार पर प्रयोग करते हुए आज के उपाय बताने चाहिए। वो उपाय जो आम लोग कर सकें, जिनसे लोगों के जीवन में बदलाव आएं।

शकुन का विचार इसमें आपकी मदद करेगा। कार्यक्रम में अध्यक्ष पं सुनील भार्गव समन्वयक डॉ अभिषेक पांडेय,आचार्य गोपाल बैरागी, मितेश मालवीय, डॉ. तुलसीदास परौहा, डॉ. उपेन्द्र भार्गव, डॉ. अखिलेश द्विवेदी, डॉ संकल्प मिश्र, डॉ. पूजा उपाध्याय, उज्जैन से डॉ प्रदीप पंड्या, इंदौर से रामचन्द्र शर्मा वैदिक, डॉ संतोष भार्गव, दिनेश गुरुजी, महामंडलेश्वर 1008 प्रेमानंद जी महाराज, महामंडलेश्वर डॉ राजकुमार अग्रवाल, अमृतसर से अन्नू भूटानी, एस्ट्रो प्रेरणा (टैरो विशेषज्ञ) निंबाहेड़ा राजस्थान से डॉ. प्रहलाद शास्त्री, भोपाल से प्रो. डॉ गणेश त्रिपाठी सहित देशभर के 150 से अधिक ज्योतिषाचार्य और विशेषज्ञ शामिल हुए। कार्यक्रम में मितेश मालवीय, अंकित दुबे, गौरव गुप्ता, नारायण वैष्णव, राकेश राठौर, अनुराग भटनागर, दिव्यांश शर्मा, विवेक शर्मा, आयुष पंडित ने विशेष सहयोग दिया।

वेनेजुएला में 'तेल का खेल' और भारत की रणनीतिक बढ़त

एक अप्रत्याशित, अभूतपूर्व और नाटकीय घटनाक्रम में अमेरिकी सैन्यबल द्वारा वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को राजधानी काराकास से पकड़कर अमेरिका ले जाने की खबर ने पूरी दुनिया की राजनीति और ऊर्जा बाजारों में भूचाल ला दिया है। इसके तुरंत बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का यह बयान कि अमेरिका वेनेजुएला के तेल भंडारों का इस्तेमाल करेगा और वहां तब तक प्रशासनिक नियंत्रण बनाए रखेगा जब तक "सत्ता का सुरक्षित, सही और समझदारी भरा बदलाव" नहीं हो जाता, वैश्विक भू-राजनीति को एक नए दौर में ले जाता दिखाई देता है। दुनिया के अब तक खोजे गए सबसे बड़े कच्चे तेल भंडार वेनेजुएला के पास हैं। वर्षों से अमेरिकी प्रतिबंधों, राजनीतिक अस्थिरता और बदहाल इंफ्रास्ट्रक्चर के कारण यह तेल वैश्विक बाजार तक नहीं पहुंच पा रहा था। अब अमेरिका की मंशा साफ है कि उसकी तेल कंपनियां अरबों डॉलर का निवेश कर वेनेजुएला के जर्जर हो चुके तेल ढांचे को दोबारा खड़ा करें और बड़े पैमाने पर तेल उत्पादन शुरू करें। इससे अमेरिका को तो रणनीतिक और आर्थिक लाभ होगा ही, लेकिन इस पूरे घटनाक्रम का असर भारत जैसे ऊर्जा आयातक देश पर भी गहराई से पड़ेगा।

भारत अपनी कुल तेल आवश्यकता का 85 प्रतिशत से अधिक आयात करता है। ऐसे में वैश्विक तेल बाजार में किसी भी बड़े बदलाव का सीधा असर भारत की अर्थव्यवस्था, महंगाई और रुपये की स्थिति पर पड़ता है। यदि वेनेजुएला का तेल दोबारा अंतरराष्ट्रीय बाजार में बड़े स्तर पर आता है, तो कच्चे तेल की आपूर्ति बढ़ेगी। आपूर्ति बढ़ने का सीधा मतलब है कीमतों पर दबाव। यदि अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल सस्ता होता है, तो भारत को इसका सबसे बड़ा फायदा मिलेगा। पेट्रोल और डीज़ल की कीमतों में राहत, परिवहन लागत में कमी और उद्योगों की उत्पादन लागत घटने से अर्थव्यवस्था को नई ऊर्जा मिल सकती है।

इसके अलावा भारत लंबे समय से मध्य पूर्व पर अपनी तेल निर्भरता कम करने की रणनीति पर काम कर रहा है। वेनेजुएला भारत के लिए एक वैकल्पिक और रणनीतिक स्रोत बन सकता है। अतीत में भारत ने वेनेजुएला से बड़ी मात्रा में तेल खरीदा है, लेकिन अमेरिकी प्रतिबंधों के चलते यह व्यापार लगभग ठप हो गया था। यदि नई वैश्विक व्यवस्था में प्रतिबंध ढीले पड़ते हैं या नए नियम बनते हैं, तो भारत के लिए वेनेजुएला के साथ दोबारा ऊर्जा साझेदारी का रास्ता खुल सकता है। इससे भारत की ऊर्जा सुरक्षा मजबूत होगी और किसी एक क्षेत्र पर निर्भरता कम होगी। अमेरिका की बढ़ती भूमिका एक और अहम संकेत देती है। अमेरिका यदि वेनेजुएला के तेल उत्पादन को नियंत्रित करता है, तो वह वैश्विक तेल बाजार में कीमतों को संतुलित रखने की कोशिश करेगा। यह भारत जैसे देशों के लिए राहत की स्थिति हो सकती है, क्योंकि अचानक तेल की कीमतों में उछाल से भारतीय बजट और आम आदमी दोनों पर बोझ बढ़ता है। स्थिर और अपेक्षाकृत कम तेल कीमतें भारत की आर्थिक योजनाओं के लिए अनुकूल माहौल तैयार करेंगी। हालांकि इस पूरे घटनाक्रम में जोखिम भी छिपे हैं। यदि वेनेजुएला का तेल पूरी तरह अमेरिकी कंपनियों के नियंत्रण में चला जाता है, तो वैश्विक बाजार में अमेरिका का दबदबा और बढ़ेगा।